ओ कान्हा आ रे तू आजा मोहन गिरधारी लिरिक्स

ओ कान्हा आ रे,
तू आजा मोहन गिरधारी,
की तरसे गुजरिया सारी,
पुकारे राधा बेचारी,
ओ कान्हा आ रें।bd।
o kanha aa re tu aaja mohan girdhari lyrics
तर्ज – ओ बाबुल प्यारे।

सुना पड़ा है मधुबन सारा,
तेरे बिना ओ कन्हाई,
ओ कान्हा रे,
सुना पड़ा है मधुबन सारा,
तेरे बिना ओ कन्हाई,
आजा सुना जमना तट,
तुझ बिन सुना है पनघट,
सुना सुना गुजरियों का मन,
ओ कान्हा आ रें।bd।

यमुना किनारे गुजरियों के,
कपडों को कौन चुराए,
ओ कान्हा रे,
यमुना किनारे गुजरियों के,
कपडों को कौन चुराए,
सुनी ग्वालों की टोली,
सुने तेरे हमजोली,
सुने सुने है सबके नयन,
ओ कान्हा आ रें।bd।

अपना बना के क्यों बिसराया,
ओ निर्मोही बता जा,
ओ कान्हा रे,
अपना बना के क्यों बिसराया,
ओ निर्मोही बता जा,
आजा माखन खा ले रे,
हमको लाख सता ले रे,
हर्ष सबकुछ करेंगे सहन,

Bhajan Diary Lyrics,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ कान्हा आ रे,
तू आजा मोहन गिरधारी,
की तरसे गुजरिया सारी,
पुकारे राधा बेचारी,
ओ कान्हा आ रें।bd।

Singer – Mukesh Bagda Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com